श्रद्धा ॐ श्री साँई नाथाय नमः सबुरी

श्री शिरडी साँई बाबा मन्दिर, सैक्टर-40, नौएडा

श्री साँई पुण्यतिथि समाधि दिवस

"विजय दशमी (दशहरा) शुक्रवार दिनांक 03.10.2014"

बाबा जी अपने वचन, सदा निभाते आऐं ।
और समाधि बाद भी, राह दिखाते जाऐं ॥

कार्यक्रम

कांकड़ आरती	-	प्रातः 6.00 बजे
अभिषेक श्रृंगार	-	प्रातः 6.30 बजे
पूजा अर्चना	-	प्रातः 7.30 बजे
आरती	-	प्रातः 8.00 बजे
नाम-जाप/साँई मन्त्र	-	प्रातः 8.30 बजे
श्री साँई सच्चरित्र दोहावली	-	प्रातः 10.00 बजे
मध्यान्ह आरती	-	दोपहर 12.00 बजे
भजन-कीर्तन	-	दोपहर 12.30 बजे से 1.00 बजे
भण्डारा प्रसाद वितरण	-	दोपहर 12.30 बजे
भजन-कीर्तन	-	दोपहर 1.00 बजे से 2.15 बजे
शंख ध्वनि और दो मिनट का मौन	-	दोपहर 2.30 से 2.32 बजे
नाम-जाप/साँई मन्त्र	-	दोपहर 2.45 बजे से 3.30 बजे
श्री साँई सच्चरित्र का मौन पाठ भक्तों द्वारा	-	सांय 3.35 बजे से 5.00 बजे
नाम जाप/साँई मन्त्र	-	सांय 5.00 बजे से 6.00 बजे
धूप आरती	-	सांय 6.30 बजे
भजन-कीर्तन	-	सांय 7.00 बजे से 9.30 बजे

***'श्री साँई सच्चरित्र पाठ"* के अध्ययन हेतु पुस्तकें बाबा के समक्ष मुख्य भवन में मन्दिर की ओर से मिलेंगी। कार्यक्रम समापन के पश्चात् पुस्तकें मन्दिर को वापस कर दें।**

नोटः समाधि दिवस विजयदशमी (दशहरा) को रात्रि में बाबा की शेज़ आरती नहीं करते हैं, अगले दिन प्रातः कांकड़ आरती न होकर अर्चना के बाद प्रातः 8.00 बजे वाली आरती होती है।

भक्तों से हार्दिक निवेदन है कि आप सभी "श्री साँई पुण्यतिथि समाधि दिवस विजयदशमी (दशहरा)" पर सपरिवार एवं मित्रगणों के साथ पधार कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ावें और बाबा के दया रूपी अवतार से आशीर्वाद प्राप्त करें।

"जय श्री साँई"

विनीतः
श्री साँई समिति नौएडा
(आई॰एस॰ओ॰ 9001:2008 मान्यता प्राप्त)
फोन : 0120-4238672-676, 2575672, 2572810

कृपया कार्ड के पीछे देखें

ॐ साँई राम!
आपकी जानकारी के लिए

नित्य की पूजाविधि

✠ काकड़ आरती	:	प्रात: 6.00 बजे
मंगल स्नान	:	प्रात: 6.30 बजे
अर्चना	:	प्रात: 7.30 बजे
आरती	:	प्रात: 8.00 बजे
मध्यान्ह आरती	:	दोपहर 12.00 बजे
धूप आरती	:	सांय 6.30 बजे (गर्मियों में)
		सांय 6.00 बजे (सर्दियों में)
शेज़ आरती	:	रात्रि 9.30 बजे (गर्मियों में)
		रात्रि 9.00 बजे (सर्दियों में)
गुरूवार में शेज़ आरती	:	रात्रि 9.45 बजे (गर्मियों में)
		रात्रि 9.30 बजे (सर्दियों में)

संस्थान द्वारा जन-सेवाऐं

- ✠ शूज सेवा प्रतिदिन प्रात: 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक खुला रहता है।
- ✠ पीने का ठण्डा जल और हाथ धोने की व्यवस्था।
- ✠ सेवा काउन्टर - (प्रतिदिन प्रात: 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक खुला रहता है।) फूल माला, बाबा की ड्रेस, प्रसाद, बाबा की पुस्तकें, बाबा की मूर्ति, बाबा के चित्र आदि की पूरी उपलब्धता।
- ✠ 6 नए चार टन एल॰जी॰ टावर ए॰सी॰ मुख्य हॉल में।
- ✠ संस्थान का स्कूल 6वीं कक्षा तक 300 से अधिक गरीब परिवार के च्चों को नि:शुल्क शिक्षा, प्रात: का नाश्ता, दोपहर का भरपेट भोजन, स्कूल ड्रेस, पुस्तकें आदि और 12वीं कक्षा तक आर्थिक सहायता।
- ✠ संस्थान द्वारा संचालित चिकित्सालय में 300 से अधिक मरीजों का प्रतिदिन नि:शुल्क उपचार।
- ✠ संस्थान के कर्मचारियों को बच्चों की पढ़ाई के लिए आर्थिक सहायता, परिवार को अन्नदान एवं घर (मकान) का किराया एवं संस्थान की ड्रेस दी जाती है।
- ✠ प्रति गुरूवार को नौएडा शहर से भक्तों को मन्दिर लाने व वापिस छोड़ने के लिए नि:शुल्क बस सेवा।
- ✠ नौएडा शहर एवं एन॰सी॰आर॰ में गरीब स्कूल के करीब 3000 से अधिक बच्चों को मिड-डे-मील पहुंचाया जाता है।
- ✠ नौएडा शहर के एवं एन॰सी॰आर॰ में अनाथ आश्रमों को समय-समय पर अन्नदान पहुँचाया जाता है।
- ✠ संस्थान द्वारा समय-समय पर प्रसिद्ध व्यक्तियों द्वारा बाबा के रस-मय गुणगान, प्रवचन, व्याख्यान सत्संग का विशाल आयोजन किया जाता है।
- ✠ मन्दिर में नित्य प्रात: से सांय तक बाबा के पांच भण्डारे प्रसाद का वितरण किया जाता है।
- ✠ संस्थान द्वारा स्कूल को 12वीं कक्षा तक ले जाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

साँई मन्दिर से साँई भजन संध्या बुकिंग करवाने के लिए बहुत की उपयुक्त खर्चे में सभी साधन मन्दिर द्वारा प्रदान किए जाते हैं, जिसमें बाबा का दरबार, मूर्ति, पालकी, पुजारी, संगीतकार, गायक, साउण्ड सिस्टम सेवादार व आने जाने के लिए वाहन आदि सभी सम्मिलित हैं।

बुकिंग हेतु सम्पर्क करें:- साँई बाबा मन्दिर, सैक्टर-40, नौएडा मो॰ - 9868083587, 9868479688

नोट :- साँई भजन संध्या बुकिंग की रसीद सेवा कक्ष से अवश्य प्राप्त करें। साँई भजन संध्या कराऐंगें तो उपलिखित सामान बाबा के ही मन्दिर का होता है और बाबा के ही पूजा स्थल में सुरक्षित रखा रहता है और पूजा-स्थल से सीधे आपके घर पर जाता है। भक्तों का कहना है कि साँई मन्दिर सै॰-40 के बाबा की मूर्ति में हमें एक अलग अनुभूति *'वाईब्रेशन'* महसूस होता है।

✠ आपके सहयोग का हार्दिक स्वागत है। ✠

जय साँई राम!